आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–17 दिसम्बर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रदेश में खाद वितरण को लेकर सख्त हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। कहा–खाद में मिलावट और कालाबाजारी करने वालों पर लगेगा एनएसए।
- लोकसभा में पेश हुआ विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन–ग्रामीण विधेयक 2025। बीस साल पुराने मनरेगा अधिनियम का लेगा स्थान।
- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने लेखपाल के सात हजार नौ चौरानबे पदों पर भर्ती के लिए जारी किया विज्ञापन। अट्ठाइस जनवरी तक जमा किए जा सकेंगे आवेदन।
- घने कोहरे की वजह से गौतमबुद्धनगर और गाज़ियाबाद से गुजरने वाले एक्सप्रेस–वे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर घटाई गई वाहनों की अधिकतम गति सीमा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में मिलावटी या नकली खाद बेचने वालों और खाद की कालाबाजारी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम–एनएसए के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि अन्नदाता किसान को खाद को लेकर कोई समस्या होती है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी और दोषी चाहे किसी भी स्तर का हो, कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश कल लखनऊ में कृषि मंत्री और सहकारिता मंत्री की उपस्थिति में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान दिया। श्री योगी ने कहा कि कृषि और सहकारिता मंत्री प्रतिदिन खाद की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करें। मुख्यमंत्री कार्यालय से हर जिले की सीधी निगरानी की जाएगी और खाद के वितरण में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी।

श्री योगी ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि किसी भी किसान को खाद के लिए भटकना न पड़े। एक अन्य बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की अर्थ व्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर का आकार देने से जुड़े कार्यो की समीक्षा के साथ ही वित्तीय वर्ष दो हजार पचीस–छब्बीस में विभागों को आवंटित कुल बजट के सापेक्ष खर्च की समीक्षा की। उन्होंने बजट के मुकाबले खर्च की धीमी गति पर असंतोष जताया। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बैठक का उद्देश्य जनता के हित को ध्यान में रखते हुए विभागों के कामकाज को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा करना है।

उत्तर प्रदेश के चतुर्मुखी विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। आप देखेंगे कि सभी विभागों के बारे में हम और तेजी के साथ कैसे बेहतर काम कर सकते हैं। जनता के हित और जनता के आकांक्षा के अनुरूप उस दिशा में हम सब चर्चा करने वाले हैं और प्रदेश पूरे राष्ट्र में नंबर एक के विकसित राज्य के रूप में स्थापित हो रहा है। हमारी जीडीपी में बढ़ोतरी हो रही है। प्रदेश पूरे राष्ट्र के पैमाने पर चाहे डेवलपमेंट हो, चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर हो, चाहे लाइन आर्डर हो, औद्योगिक निवेश के मामले में भी प्रथम डेस्टिनेशन औद्योगिक घरानों के लिए साबित हो रहा।

****

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल लोकसभा में विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन–ग्रामीण विधेयक दो हजार पचीस पेश किया। यह विधेयक बीस साल पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम दो हजार पांच का स्थान लेगा। एक रिपोर्ट....

इस विधेयक का मकसद विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप गांव का समग्र विकास करना है। गांव में हुए सामाजिक आर्थिक बदलावों को देखते हुए केंद्र सरकार विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण विधेयक 2025 लेकर आई है। नए विधेयक का उद्देश्य श्रमिकों को अधिक कार्य दिवसों की गारंटी, बेहतर मजदूरी और सुरक्षा प्रदान करना है। मनरेगा के तहत फिलहाल एक वित्त वर्ष में 100 दिन के काम की गारंटी दी जाती है। वहीं, नए विधेयक में हर साल 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इस नए विधेयक के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और ग्रामीणों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। दीपेंद्र कुमार, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि प्रस्तावित विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, दो हजार पचीस संस्थागत स्वायत्तता, मान्यता तथा गुणवत्ता को मजबूती देगा तथा शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा। यह विधेयक भविष्य के लिए मजबूत उच्च शिक्षा ढांचा तैयार करने में सहायक होगा। नई दिल्ली में श्री प्रधान ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया है।

जब हम लोगों ने नेशनल एज्यूकेशन पॉलिसी 2020 में लागू किया तब उसमें एक एश्योरेंस था कि अभी की जो युनिवर्सिटी की हायर एज्युकेशन की इंस्टीट्यूशन्स की विभिन्न प्रकार के रेगूलेट्री अथॉरिटी है। कई प्रकार की स्टेंडर्ड मेंटेन करने वाला बॉडी कहेगा। कोई

भी इंस्टीट्यूट की यह तीन चीज बहुत महत्वपूर्ण होती है। उसकी रेगुलेशन्स, उसकी स्टेंडर्ड एंड उसकी एक्रिडेशन। ये तीनों की भारत की आज के दिनों में लगभग साठ हजार विभिन्न प्रकार की हायर एज्युकेशनन्स इंस्टीट्यूशन्स हैं।

****

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने राजस्व परिषद के अधीन लेखपाल के सात हजार नौ सौ चौरानबे पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है। यह भर्ती प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा–पीईटी दो हजार पचीस के अंकों के आधार पर की जाएगी। मुख्य परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन उनतीस दिसंबर से शुरू होंगे अट्ठाइस जनवरी तक आवेदन और शुल्क जमा किए जा सकेंगे। आवेदन पत्रों में संशोधन और शुल्क समायोजन की अंतिम तिथि चार फरवरी दो हजार छब्बीस निर्धारित की गयी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि लेखपाल भर्ती परीक्षा के लिए पीईटी–दो हजार पचीस उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। पीईटी स्कोर के आधार पर अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्ट लिस्ट किया जाएगा। इसके बाद लिखित परीक्षा दस्तावेज सत्यापन और अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा।

****

राम मंदिर आंदोलन के सूत्रधार और पूर्व सांसद डॉक्टर राम विलास वेदांती को कल अयोध्या में सरयू में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल समाधि दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित हिंदू धाम आश्रम पहुंच कर ब्रह्मलीन महंत डॉ. रामविलास वेदांती को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वेदांती जी महाराज का संपूर्ण जीवन भगवान राम को समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने उनके शिष्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वेदांती जी के आदर्श और उनका रामभक्त जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

वेदांती जी महाराज 1983 से लगातार इस आंदोलन के साथ जुड़े थे और भगवान राम के इस पवित्र मंदिर के अभियान के उस हर एक कार्यक्रम के साक्षी वेदांती जी थे, जो उनकी इच्छा थी उसके अनुरूप उनका पूरा जीवन समर्पित था। रामलला का भव्य मंदिर, रामलला का विराजमान और भव्य और दिव्य अयोध्या को अपनी आंखों से देखते हुए उन्होंने अपनी नश्वर काया को छोड़ी है। उन्हें प्रभु श्री राम अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके प्रति मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनकी स्मृतियों को नमन करता हूं।

****

काशी तमिल संगमम के अंतर्गत कल पर्यटकों का आखिरी दल प्रयागराज पहुंचा। इस दल में करीब दो सौ सोलह धर्म गुरु और पचास तमिल सिखाने वाले शिक्षक शामिल थे। संगम में स्नान के साथ दर्शन पूजन के बाद सदस्यों ने इस कार्यक्रम को एक भारत श्रेष्ठ भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया ।

काशी तमिल संगम में हम यहां त्रिवेणी संगम पर खड़े हैं। यह हमारे लिए एक पुण्य यात्रा बना रही थी। हमारे साउथ इंडियन में होने वाले जैसे मदनी में छोकनादर है, रामेश्वर में रामनाथ जी है, वैसे बड़ा–बड़ा मंदिर बहुत प्रसिद्ध मंदिर है। उसी भगवान को यहां हम काशी में विश्वनाथ की और हम देखकर हमें बहुत संतोष हुई।

****

लगातार बढ़ रही ठंड और कोहरे से प्रदेश के कई जिलों में जन जीवन प्रभावित हो रहा है। एक रिपोर्ट–

बीते कुछ दिनों में तराई वाले जिलों के तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गयी है। घने कोहरे के मद्देनजर गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत पन्द्रह फरवरी तक जिले से गुजरने वाले प्रमुख एक्सप्रेस–वे, राष्ट्रीय राजमार्ग और एनएच–9 पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा घटा दी गई है। ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों के लिए अधिकतम रफ़्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटा और हल्के वाहनों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। समाचार कक्ष से अरूण।

उधर, कई जिलों में स्कूलों के समय में भी परिवर्तन कर दिया गया है।

****